आउटकम/परफॉरमेन्स बजट 2022–23
(सामान्य + अनुसूचित जाति + अनुसूचित जनजाति)

विभाग का नामः– उद्यान विभाग

मुख्य एस0डी0जी0 – 02 भूखमरी समाप्त करना

क्र0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		1–4–2021 की वास्तविक स्थिति (भौतिक)	31–3–2022 की संभावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकट वर्ष 2022–23	आउटकम हेतु संभावित समयावधि 2022–23
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, उत्तराखण्ड									
	जिला सैक्टर								
1	फल/सब्जियों को सुखाकर प्रसंस्करण करने की योजना	1. फसल सब्जियों को बाजार में समुचित मूल्य दिलाने हेतु प्लास्टिक केट्स, किल्टे, पैकिगं हेतु बाक्स उपलब्ध कराना आदि। 2. फल व सब्जियों का प्रसंस्करण। 3. मिर्च उत्पादन (20 नाली में मिर्च उत्पादन करने वाले) को काली पॉलीथीन उपलब्ध कराना। 4. फस व सब्जियों के प्रसंस्करण हेतु विभागीय फल संरक्षण केन्द्रों द्वारा 07 दिवसीय प्रशिक्षण, पैकिंग मैटिरियल एवं टैक निमार्ण।	1200.00	-			-		
	1–फल–सब्जी प्रसंस्करण				2276 कु0 फल सब्जियों का प्रसंस्करण	2318 कु0 फल सब्जियों का प्रसंस्करण	3000 कु0 फल सब्जियों का प्रसंस्करण	प्रसंस्करण में वृद्धि करना	वित्तीय वर्ष 2022–23
	2–फल–सब्जी प्रशिक्षण				4820 व्यक्तियों को प्रशिक्षण	6140 व्यक्तियों को प्रशिक्षण	8000 व्यक्तियों को प्रशिक्षण	बेरोजगारों को प्रशिक्षण देना।	
	3–कोरोगेटेड बाक्स वितरण				3.98 लाख कोरोगेटेड बाक्स	2.50 लाख कोरोगेटेड बाक्स	4.00 लाख कोरोगेटेड बाक्स	औद्यानिक उत्पाद के पैकिंग हेतु बाक्स उपपलब्ध कराना।	
	4–प्लास्टिक केट्स वितरण				14310 केट्स वितरण	68592 केट्स वितरण	70000 केट्स वितरण	औद्यानिक उत्पाद ढुलान हेतु	
	5–किल्टा वितरण				12662 किल्टा वितरण	800 किल्टा वितरण	2000 किल्टा वितरण	औद्यानिक उत्पाद ढुलान हेतु	
	6–वाटर टैंक वितरण				194 टैंक	443 टैंक	450 टैंक	सिंचाई हेतु टैक उपलपब्ध कराना।	

2	प्रदेश के अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रो में औद्यानिक विकास	1. उद्यान विकास–व्यक्तिगत उद्यानों की स्थापना हेतु पौध व निवेश वितरण आलू विकास/उत्पादन हेतु बीज व निवेश वितरण	75.00						वित्तीय वर्ष 2022–23
	1. फलों का क्षेत्रफल विस्तार				28	74	100	उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्वि	
	2. आलू विकास				6.50	15	50	उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्वि	
3	उन्नत किस्म की रोपण सामग्री के उत्पादन/पौधा0विकास	1. फल,पौध, सब्जी, बीज, आलू बीज, मसाला बीज के परिवहन पर राजसहायता 2. नये उद्यानों की स्थापना हेतु पौध एवं निवेश वितरण 3.पौध सुरक्षा हेतु कीट व्याधिकनाशक रसायनों का वितरण 4. कुरमुला कीट नियन्त्रण 5. औद्यिनिक औजार वितरण	3000.00						वित्तीय वर्ष 2022–23
(i)	फल पौध वितरण (लाख संख्या)				14.38	18.12	20	उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्वि	
(ii)	सब्जी बीज वितरण (कु0)				3710	4309 कुन्तल	5000		
(iii)	आलू बीज वितरण (कु0)				6210	5792	6000		
(iv)	पौध सुरक्षा कार्य (है0)				26560	16628	20000		
(v)	औद्यानिकी यन्त्र वितरण (सं0)				16627	9854	10000		
(vi)	अदरक बीज वितरण (कु0)				7472	1971	3500		
(vii)	हल्दी बीज वितरण (कु0)				1534	352	2500		
(viii)	लहसुन बीज वितरण (कु0)				24.25	30.00	500		
	योग जिला सैक्टर :–		**4275.00**						

	केन्द्रीय योजनायें :–								
1	प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (PMFME)	सूक्ष्म खाद्य प्रस्संकरण इकाइयों की स्थापना।	1431.87			21 व्यक्तियों को रोजगार	400	खाद्य प्रसंस्करण क्षमता में वृद्धि करना	वित्तीय वर्ष 2022–23
2	प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (Per Drop More Crop)	पौधों की आवश्यकतानुसार जल एवं खाद का वितरण उनकी जड़ो तक पहुचानते हुए कम समय में अधिकतम क्षेत्र की सिंचाई खरपतवार नियन्त्रण एवं गुणवत्तायुक्त उत्पादन एवं पैदावार में वृद्धि करना।	8274.85						वित्तीय वर्ष 2022–23
	1–टपक सिंचाई				2681 है0 टपक सिंचाई	2204 है0 टपक सिंचाई	9239 है0 टपक सिंचाई	कम पानी से ज्यादा क्षेत्रफल सिंचित कर उत्पादन एंव उत्पादकता में वृद्धि ।	
	2–फब्बारा सिंचाई				4539 है0 फब्बारा सिंचाई	1496 है0 फब्बारा सिंचाई	12439 है0 फब्बारा सिंचाई		
	3–लाभार्थी				9220 लाभर्थी	5647 लाभर्थी	35146 लाभार्थी		

3	राष्ट्रीय उद्यान मिशन Mission for intregrated Development (MIDH) HMNEH		6100.01		विभाग के अन्तर्गत संचालित केन्द्रीय, राज्य योजनाओं आदि से समस्त कार्यक्रमों से औद्यानिकी के क्षेत्र में फलों का उत्पादन 6.48 लाख मै0टन, सब्जी 10.23 लाख मै0टन, मसाला 0.96 लाख मै0टन, मशरूम 19500 मै0टन, शहद 1700 मै0टन एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षमता में 12 प्रतिशत तक वृद्वि करते हुए कास्तकारों की आय में गुणात्मक वृद्वि हो सकेगी।	विभाग के अन्तर्गत संचालित केन्द्रीय, राज्य योजनाओं आदि से समस्त कार्यक्रमों से औद्यानिकी के क्षेत्र में फलों का उत्पादन 7. 00 लाख मै0टन, सब्जी 11.00 लाख मै0टन, मसाला 1 लाख मै0टन, मशरूम 20000 मै0टन, शहद 2200 मै0टन एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षमता में 14 प्रतिशत तक वृद्वि करते हुए कास्तकारों की आय में गुणात्मक वृद्वि हो सकेगी।		विभाग के अन्तर्गत संचालित केन्द्रीय, राज्य योजनाओं आदि से समस्त कार्यक्रमों से औद्यानिकी के क्षेत्र में फलों का उत्पादन 10 लाख मै0टन, सब्जी 12 लाख मै0टन, मसाला 1 लाख मै0टन, मशरूम 22000 मै0टन, शहद 2500 मै0टन एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षमता में 14 प्रतिशत तक वृद्वि करते हुए कास्तकारों की आय में गुणात्मक वृद्वि हो सकेगी।	वित्तीय वर्ष 2022–23

i.	पौधशाला स्थापना				4	2	8 पौधशालाओं की स्थापना कर लगभग 2.00 लाख उच्च गुणवत्तायुक्त पौध रोपण सामग्री का उत्पादन किया जायेगा।	उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्वि।	वित्तीय वर्ष 2022–23
ii.	अति सघन/सघन फल क्षेत्रफल विस्तार	औद्यानिक फसलों (फल,सब्जी,मसला, पुष्प) का क्षत्रेफल विस्तार कर उत्पादन बढ़ावा			139	224	2095 है0 में फल, सब्जी, मसाला एवं पुष्प आदि का क्षेत्रफल विस्तार		
iii.	सामान्य फल क्षेत्रफल विस्तार (है0)				1336	933			
iv.	सब्जी क्षेत्रफल विस्तार (है0)				1759	1346			
v.	पुष्प क्षेत्रफल विस्तार (है0)				234	90			
vi.	मसाला क्षेत्रफल विस्तार (है0)				752	700			
vii.	पुराने उद्यानों की जीर्णोद्धार (है0)	पुराने अनुत्पादन उद्यानों का जीर्णोद्वारा उत्पादन में वृद्धि करनां			250	80	पुराने अनुत्पादक उद्यानों का जीर्णोद्वार कर 100 है0 क्षेत्र को उत्पादन में लाना।		
viii.	मशरूम उत्पादन इकाई स्थापना (सं0)	मशरूम उत्पादन को बढ़ाव देकर, कृषकों की आय में वृद्धि करना।			7	2	7 मशरूम इकाईयों की स्थापना		

ix.	जल स्त्रोतों का सृजन (सं0)	सिंचाई सुविधाओं के विकास हेतु कृषकों को नये ट्यूबवैल की स्थापना हेतु राज सहायता प्रदान करना।			72	58	सिंचाई सुविधा सुनिश्चित करने हेतु 85 जल स्त्रोतों का सृजन		वित्तीय वर्ष 2022–23
x.	पॉलीहाउस स्थापना (वर्गमीटर)				91273	29000	संरक्षित खेती को बढ़ावा देने हेतु 82,000 वर्गमीटर पॉलीहाउस की स्थापना, 15.50 लाख वर्गमीटर एन्टीहेलनेट एवं 800 है0 प्लास्टिक मल्चिंग।		
xi.	शेडनेट हाउस स्थापना (वर्गमीटर)	ट्यूवलर बनावट, प्रकोष्ट संरचना एवं बॉक्स की संरचना पर राज सहायता प्रदान करना।			12000				
xii.	एन्टी हेलनेट स्थापना (वर्गमीटर)	फलों एवं सब्जी फसलों की ओलों की सुरक्षा हेतु एन्अी हेल नेट पर राज सहायता उपलब्ध करना।			1800000	2300000			
xiii.	प्लास्टिक मल्चिंग (है0)	नमी को रोकने एवं प्रकाश संश्लेषण को बढ़ावा देने हेतु जमीन को प्लास्टिक शीट से ढ़कना			80	670			
xiv.	मधमुक्खी पालन						–		
b.	मौनकॉलोनी का वितरण (सं0)				5015	2000			
d.	मौन यन्त्रों का वितरण (सं0)				25		–		
xv.	औद्यानिक यन्त्रीकरण (सं0)	विभिन्न औद्यानिक मशीनों/पावर टिलर/ ट्रैक्टर/ औद्यानिकी हेतु स्वचालित मशीन आदि हेतु राज सहायता प्रदान करना।			299	185	औद्यानिक यन्त्रीकरण को बढ़ावा देते हुए श्रम लागत में कमी हेतु 262 औद्यानिक यन्त्रों का वितरण।		

xvi.	प्रशिक्षण (सं0)				500	2000	विभिन्न औद्यानिकी गतिधियों की नवीनतम तकनीकी जानकारी से लाभान्वित करते हुए 2250 कास्तकारों को प्रशिक्षित करना।		वित्तीय वर्ष 2022–23
xvii.	तुडाई उपरान्त प्रबन्धन (सं0)				12		औद्यानिक फसलों में तुड़ाई उपरान्त प्रबन्धन, विपणन एवं प्रसंस्करण को बढ़ावा देने हेतु अवस्थापना सुविधाओं का सृजन।		
xviii.	खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापना (सं0)				2	1			
xix.	विपणन व्यवस्था (सं0)				3	2			
	योग केन्द्रपोषित योजना		**15806.73**						
	राज्य सैक्टर								
01	अधिष्ठान		15476.55		लगभग 3550 कमिको के वेतन भत्ते का भुगतान	लगभग 3550 कमिको के वेतन भत्ते का भुगतान	लगभग 3550 कमिको के वेतन भत्ते का भुगतान	कर्मचारियों के वेतन भत्ते उपलब्ध कराना।	वित्तीय वर्ष 2022–23
02	राजभवन के उद्यानों का अनुरक्षण (भारित)		199.48						वित्तीय वर्ष 2022–23

03	राजकीय उद्यानों का सुदृढीकरण		698.17	200.00					
	1–फल पौध उत्पादन (नई प्रजातियों सहित)	पौध रोपण सामग्री का उत्पादन			3.11 फल पौध	13.17 फल पौध	15.00 फल पौध	उन्नत किस्म की रोपण सामग्री का उत्पादन।	वित्तीय वर्ष 2022–23
	2–सब्जी बीज उत्पादन				18.92 कु0 बीज	410.45 कु0 बीज	500.00 कु0 बीज	उन्नत किस्म के बीजों का उत्पादन।	
	3–आलू बीज उत्पादन				1263 कु0 आलू बीज	2500 कु0 आलू बीज	4000 कु0 आलू बीज	रोगरहित आलू एवं रसायन उपलब्ध कराना।	
	4–सब्जी पौध उत्पादन				137 लाख सब्जी पौध	150.00 लाख सब्जी पौध	200.00 लाख सब्जी पौध	उन्नत किस्म के सब्जी पौंध उपलब्ध कराना।	
04	सचिवालय परिसर का सौन्दर्यीकरण		59.50	-				सचिवालय परिसर का सौन्दर्यीकरण करना।	वित्तीय वर्ष 2022–23
05	मुख्यमंत्री आवास के उद्यानों का अनुरक्षण		55.02	-				मुख्यमंत्री आवास के उद्यानों का अनुरक्षण कार्य।	वित्तीय वर्ष 2022–23
06	विधान भवन परिसर में औद्यानिक विकास		27.12	-				विधान भवन परिसर में औद्यानिक विकास कार्य।	वित्तीय वर्ष 2022–23

07	उत्तर फसल प्रबंधन		200.03	-					वित्तीय वर्ष 2022–23
	2–कोरोगेटेड बॉक्स वितरण				2.50 लाख कोरोगेटेड बॉक्स	2.50 लाख कोरोगेटेड बॉक्स	4.00 लाख कोरोगेटेड बॉक्स	औद्यानिक उत्पाद हेतु पैकिंग सामग्री	
08	बागवानी विकास परिषद के विभिन्न देयकों का भुगतान		0.14	-				परिषद के देयको का भुगतान।	वित्तीय वर्ष 2022–23
09	मुख्यमंत्री संरक्षित उद्यान विकास योजना (30% राज्यांश)	पालीहाउस के अन्दर सब्जी एवं पुष्पों का उत्पादन करना।	353.00	-	50000 वर्ग मी0	64636 वर्ग मी0	65000 वर्ग मी0	पॉलीहाउसों का निर्माण करना।	वित्तीय वर्ष 2022–23
10	उद्यान बीमा योजना (50% राज्यांश)	औद्यानिक फसलों – सेब, आम,आड़ू, माल्टा, मौसमी, सन्तरा, लीची, अमाटर,अदरक, आलू, फ्रैंचबीन, मटर एवं मिर्च का मौसम आधारित बीमा कराना।	5000.00	-	89735 लार्भाथी	61210 लार्भाथी	100000 लार्भाथी	औद्यानिक फसलों का बीमा कराकर क्षतिपूर्ति का भुगतान करना।	वित्तीय वर्ष 2022–23
11	राज्य खाद्य प्रसंस्करण योजना	राज्य में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों को बढ़ावा देना चूंकि औद्यानिक उत्पाद शीघ्र खराब होने की प्रवृर्ति होती है। वर्तमान में लगभग 20–25 प्रतिशत	0.01	-	प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन	प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन	प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन	औद्यानिक उत्पादों के प्रसंस्करण में वृद्धि करना तथा रोजगार सृजन।	वित्तीय वर्ष 2022–23
12	उत्तराखण्ड औद्यानिक बोर्ड		184.65	-	उत्तराखण्ड औद्यिनिक वोर्ड के कियाकलापों हेतु	उत्तराखण्ड औद्यिनिक वोर्ड के कियाकलापों हेतु	उत्तराखण्ड औद्यिनिक वोर्ड के कियाकलापों हेतु	ब्राण्डिंग, क्रय–विक्रय कराकर कृषकों की आय में वृद्वि।	वित्तीय वर्ष 2022–23
13	बोरवैल की स्थापना की योजना	सिंचाई सुविधा हेतु कृषकों को बोरवैल स्थापना हेतु सहायता।	20.50	-	91 बोरवैल निर्माण	70 बोरवैल निर्माण	80 बोरवैल निर्माण	बोरबैल की स्थापना कर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराना।	वित्तीय वर्ष 2022–23

14	ग्रीन हाउस की पॉलीथीन बदलाव योजना		38.00	-	33024 वर्ग मी0	68259 वर्ग मी0	60000 वर्ग मी0	पुराने पॉलीहाउसों की पॉलीथीन बदलना।	वित्तीय वर्ष 2022–23
15	फल पौध रोपण की योजना (निःशुल्क)		200.01	-	2.5 लाख फल पौध	5.21 लाख फल पौध	5.00 लाख फल पौध	राजकीय संस्थानों में पौध रोपण कराना।	वित्तीय वर्ष 2022–23
16	उत्तराखण्ड मधुमक्खी परिषद की योजना		23.91	-	परिषद के देवको का भुगतान	परिषद के देवको का भुगतान	परिषद के देवको का भुगतान	परिषद के देयको का भुगतान।	वित्तीय वर्ष 2022–23
17	उत्तराखण्ड में बेमौसमी सब्जी उत्पादन (सब्जी बीज वित्तरण)		0.01	-	208 कु0	सब्जी बीज उत्पादन	सब्जी बीज उत्पादन	बेमौसमी सब्जी उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि।	वित्तीय वर्ष 2022–23
18	फल पौंधशालाओं की स्थापना	राज्य में छोटी (0.2 है0 से 1.0 है0 तक) नयी फल पौधशालाओं की स्थापना	25.00	-	7 फल पौंधशाला	फल पौंधशाला	5 फल पौंधशाला	गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री उत्पादन कर कृषकों में वितरण करना।	वित्तीय वर्ष 2022–23
19	अखरोट एवं अन्य गिरीदार फलों (नट फ्रुट्स) के सर्वांगीण विकास हेतु मिशन	राज्य में अखरोट, बादाम तथा पिकननट की खेती को बढ़ावा देने हेतु पौधशालाओं की स्थापना व क्षेत्रफल विस्तार हेतु राज सहायता उपलब्ध करना	21.88	-				गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री उत्पादन कर कृषकों में वितरण करना।	वित्तीय वर्ष 2022–23
	1–क्षेत्रफल विस्तार				50 है0 क्षेत्रफल विस्तार	04 है0 क्षेत्रफल विस्तार	50 है0 क्षेत्रफल विस्तार		
	2–पौधशाला स्थापना				10 पौधशाला स्थापना	03 पौधशाला स्थापना	8 पौधशाला स्थापना		

20	मृदा प्रयोगशाला में मृदा परीक्षण कार्य की योजना		6.79	-	मिट्टी में मुख्य/सूक्ष्म तत्वों का परीक्षण	मिट्टी में मुख्य/सूक्ष्म तत्वों का परीक्षण	मिट्टी में मुख्य/सूक्ष्म तत्वों का परीक्षण	मृदा सैम्पलों का परीक्षण करना।	वित्तीय वर्ष 2022–23
21	मशाला, मिर्च उत्पादन हेतु प्रोत्साहन राशि की योजना	प्रदेश में उच्च गुणवत्तायुक्त मसाला मिर्च (लाल मिर्च) की खेती को बढ़ावा देने हेतु कृशकों को प्रोत्साहन राशि देना	12.05	-	428 कु0	284 कु0	300 कु0	उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि कर प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन करना।	वित्तीय वर्ष 2022–23
22	वर्मी कम्पोस्ट इकाईयों की स्थापना		120.00	-	408 संख्या	500 संख्या	500 संख्या	जैविक खेती को बढ़ावा देने हेत वर्मी कम्पोस्ट निर्माण करना।	वित्तीय वर्ष 2022–23
23	मेगा फूड पार्क	मेगा फूड पार्क के अन्तर्गत देय राज्य सहायता	50.00	-	04 इकाई	04 इकाई	04 इकाई	प्रसंस्करण क्षमता में वृद्वि।	वित्तीय वर्ष 2022–23
24	जलवायु परिवर्तन हेतु औद्यानिक फसलों के विविधीकरण की योजना		20.00	-	जलवायु परिवर्तन के कारण औद्यानिक फसलों को बढावा देकर कृषक आय में वृद्वि	जलवायु परिवर्तन के कारण औद्यानिक फसलों को बढावा देकर कृषक आय में वृद्वि	जलवायु परिवर्तन के कारण औद्यानिक फसलों को बढावा देकर कृषक आय में वृद्वि	जलवायु परिवर्तन के कारण औद्यानिक फसलों की क्षतिपूर्ति का भुगतान।	वित्तीय वर्ष 2022–23
25	माननीय उच्च न्यायालय उत्तराखण्ड परिसर का सौन्दर्यीकरण		100.00	-					वित्तीय वर्ष 2022–23

26	सघन पौंध रोपण हेतु फल पौंध सामग्री का आयात	फल पौध रोपण सामग्री का आयात	1400.00	-			50.00 लाख मात्र वृक्षों की स्थापना कर गुणवत्तायुक्त रोपण सामाग्री तैयार करना	उत्कृष्ट प्रजाति के फल पौंधों का आयात एवं औद्यानिक निवेश वितरण।	वित्तीय वर्ष 2022–23
27	मधुमक्खी पालन की योजना	1. फलों के उत्पादन बढाने के लिए परपरागण एवं शहद उत्पादन हेतु 01 है0 क्षेत्र में 04 मौन बक्सों को रखा जाना । 2. मौन बाक्स मौन कालोनियों का वितरण । 3. मौनपालन का 07 दिवसीय प्रशिक्षण	92.96	-					वित्तीय वर्ष 2022–23
	1–परपरागण हेतु मौनवंश वितरण				3400 मौनवंश	5300 मौनवंश	5500 मौनवंश		
	2–मौनवंशों व मौनगृह का वितरण				240 मौनवंशों व मौनगृह	860 मौनवंशों व मौनगृह	1000 मौनवंशों व मौनगृह		
	3–मौनपालन में प्रशिक्षण				500 मौनवंशों व मौनगृह का वितरण	667 मौनवंशों व मौनगृह का वितरण	800 मौनवंशों व मौनगृह का वितरण		
28	उत्तराखण्ड में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना/संगोष्ठी	कृषकों को खाद्य प्रसंस्करण में उच्च तकनीकी हेतु संगोष्ठियों का आयोजन।	9.34	-			05 उत्तराखण्ड में खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना	कृषकों को खाद्य प्रसंस्करण में उच्च तकनीकी हेतु संगोष्ठियों का आयोजन।	वित्तीय वर्ष 2022–23
29	मशरूम उत्पादन एंव विपणन की योजना	1. मशरूम उत्पादनों को पाश्चुराईज्ड कम्पोस्ट उपलब्ध कराना 2. स्पान (बीज) वितरण 3. 07 दिवसीय प्रशिक्षण	98.94	-	प्रशिक्षण एवं सामाग्री उपलब्ध कराना	प्रशिक्षण एवं सामाग्री उपलब्ध कराना	प्रशिक्षण एवं सामाग्री उपलब्ध कराना	कृषकों की आय में वृद्वि करना।	वित्तीय वर्ष 2022–23
	1–पाश्चुराइज्ड कम्पोस्ट निर्माण				210मैण्टन	145 मैण्टन	200 मैण्टन	मशरूम उत्पादन को बढावा।	
	2–स्पान निर्माण				3688 कि0	3000 कि0	3000 कि0		
	3–मशरूम प्रशिक्षण				1902	2000	2500		

30	उद्यानों की घेरबाड़ योजना	जगंली जानवारों क बचाव हेतु उद्यानों की घेरबाड़ हेतु राजसहायता।	268.00	-	183 है0 में घेरबाड	264 है0 में घेरबाड	400 है0 में घेरबाड	फसलों की सुरक्षा कर कृषकों की आय में वृद्वि।	वित्तीय वर्ष 2022–23
31	सघन एंव बैमोसमी सब्जी उत्पादन का विकास (अनु0ज0/अ0जनजाति)	सब्जी के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना।	54.95	-	250 कु0 सब्जी/ मसाला बीज वितरण	500 कु0 सब्जी/ मसाला बीज वितरण	1000 कु0 सब्जी/ मसाला बीज वितरण	सब्जी के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना।	वित्तीय वर्ष 2022–23
32	उत्तराखण्ड मे जनजाति क्षेत्रों/व्यक्तिगत विकास हेतु औद्यानिक विकास पर राजसहायता		35.00	-					वित्तीय वर्ष 2022–23
	क–औद्यानिक विकास (रू0 5000.00/हैक्टर)	फलों के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना			28 है0 फलों का क्षेत्रफल विस्तार	60 है0 फलों का क्षेत्रफल विस्तार	100 है0 फलों का क्षेत्रफल विस्तार	फलों के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करना।	
	ख–आलू विकास (रू0 20000.00/हैक्टर)	आलू के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि कर रोजगार सृजन			20 है0	50 है0	50 है0	आलू के उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि कर रोजगार सृजन।	
33	एण्टी हेलनेट की योजना (25% राज्यांश)	कृषकों/ उद्यानपतियों की फसलों को ओलावृष्टि से बचाव हेतु एण्टी हेलनेट हेतु सहायता	100.00	-		85000 वर्गमीटर में एण्टी हेलनेट की स्थापना	100000 वर्गमीटर में एण्टी हेलनेट की स्थापना	फसलों की सुरक्षा कर कृषकों की आय में वृद्वि।	वित्तीय वर्ष 2022–23
34	कृषि एवं उद्यान उत्पादों के समर्थन मूल्य की योजना	सी–ग्रेड फलों का उचित मूल्य दिलाना	175.00	-		कृषि एवं उद्यान उत्पादों के समर्थन मूल्य की योजना	1000 मै0टन कृषि एवं उद्यान उत्पादों के समर्थन मूल्य की योजना	सी–ग्रेड फलों का उचित मूल्य दिलाना	वित्तीय वर्ष 2022–23

35	रवांई घाटी फल प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना		0.18	-	1	1	1	कृषको को रोजगार सृजन	वित्तीय वर्ष 2022–23
36	चन्द्रनगर (रूद्रप्रयाग) में फल संरक्षण केन्द्र की स्थापना		3.08	-	1	1	1	स्थानीय व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करने हेतु औद्यानिक उत्पादों का प्रसंस्करण करना	वित्तीय वर्ष 2022–23
37	मिशन एप्पल योजना		400.00	-	विभागीय (32 एकड़ की सेब का बागान स्थापना)	विभागीय (62 एकड़ की सेब का बागान स्थापना)	विभागीय (64 एकड़ की सेब का बागान स्थापना)	उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्वि।	वित्तीय वर्ष 2022–23
38	मुख्यमंत्री एकीकृत बागवानी विकास योजना	कृषकों को फल पौध, सब्जी, मसाला, बीज, पुष्प बीज/ बल्व 50 प्रतिशत राजसहायता पर, कीटनाशक रसायन 60 प्रतिशत राजसहायता पर उपलब्ध कराना	1700.00	-	बीज वितरण– 2000 कु0	बीज वितरण– 7000 कु0, 01 रेफ्रीजरेटर वैन, 02 कूल हाउस	10000 कु0 सब्जी/मसाला बीज एवं 50,000 फल पौध आदि का 50 प्रतिशत राजसहायता वितरण एवं 60 प्रतिशत राजसहायता पर कीटनाशकों इत्यादि का वितरण	उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्वि।	वित्तीय वर्ष 2022–23
39	प्रत्येक जनपद में न्याय पंचायत स्तर पर मधु ग्राम की स्थापना (1) मौन बोक्स/कालोनी		110.00	-			6500 मौन बाक्स	बेरोजगारो हेतु रोजगार सृजन कराना शहद एवं उत्पादन एवं फसलों की उत्पादक्ता वृद्धि	वित्तीय वर्ष 2022–23
40	राष्ट्रीय बा0 बोर्ड/एपिडा आदि द्वारा वित्त पोषित योजना (मैचिंग ग्रान्ट हेतु) पर 20% राज्यांश		10.00	-			प्रस्ताव आधारित		वित्तीय वर्ष 2022–23

41	रोगरहित आलू बीज/कीटनाशक औषधियों की लागत		0.00	910.00			निवेशों का वितरण	निवेशों का क्रय कर कृषकों को उपलब्ध कराने के उपरान्त धनराशि वापस राजकोष में जमा की जाती है।	वित्तीय वर्ष 2022–23
42	एम0आई0एफ0 के अन्तर्गत लघु सिंचाई फण्ड		880.00	-	उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्वि	उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्वि	चाय बागानों में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली की स्थापना	नवीन तकनीकी के माध्यम से उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्वि।	वित्तीय वर्ष 2022–23
43	नाबार्ड पोषित	उत्तर फसल प्रबन्धन हेतु अवस्थापना सुविधाओं का विकास	500.00	500.00			प्रस्ताव आधारित (कूल हाउस, पैक हाउस, उत्कृष्ठता केन्द्र आदि की स्थापना)।	भण्डारण क्षमता में वृद्वि कर कृषकों की आय वृद्वि एवं गुणवत्तायुक्त पौध रोपण सामग्र का उत्पादन।	वित्तीय वर्ष 2022–23
	योग राज्य सेक्टर		**27949.28**	**1610.00**					
	बाह्य सहायतित								
01	औद्यानिक विभाग की बाह्य सहायतित परियोजना (जायका)		2000.00	2000.00			योजना स्वीकृति उपरान्त क्रियान्वयन किया जायेगा	उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्वि।	
	योग बाह्य सहायतित		**2000.00**	**2000.00**					
	कुल योग उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण (जिला सैक्टर + केन्द्रपोषित + राज्य सैक्टर)		**50031.01**	**3610.00**					

रेशम विभाग

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		1.4.2021 की स्थिति (भौतिक)	31.3.2022 की संभावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित आउटकम वर्ष 2022–23	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	2401–फसल कृषि कर्म–आयोजनेत्तर–119–बागवानी और सब्जियों की फसलें– 07–शहतूत की खेती एवं रेशम विकास–0701– अधिष्ठान	रेशम विभाग के कार्यक्रमों का समग्र विकास एवं प्रसार करना तथा अधिकारियों/कर्मचारियों के वेतन भत्ते आदि का भुगतान।	1448.87	–	समस्त विभागीय कार्यक्रमों के सफल संचालन, प्रसार, निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण हेतु विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतन, भत्ते आदि का भुगतान।	समस्त विभागीय कार्यक्रमों के सफल संचालन, प्रसार, निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण हेतु विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतन, भत्ते आदि का भुगतान।	समस्त विभागीय कार्यक्रमों के सफल संचालन, प्रसार, निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण हेतु विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतन, भत्ते आदि का भुगतान।	राज्य के कृषक परिवारों को रेशम उद्योग के माध्यम से स्वरोजगार नर्सरीकर्ताओं, वृक्षारोपकों, धागाकारों तथा बुनकरों को विभागीय योजनाओं के माध्यम से रोजगार के अवसर सुलभ कराना।	2022–23
2	सहकारी समितियों को रेशम विकास हेतु कार्यशील पूंजी	प्रदेश के रेशम सहकारी समितियों को रेशम विकास सम्बन्धी गतिविधियों के संचालन में स्वावलम्बी एवं दक्ष बनाना।	24.00	–	सहकारी समिति–30	सहकारी समिति–30	30 रेशम सहकारी समितियों तथा स्वयं सहायता समूहों को रेशम विकास कार्यक्रमों के संचालन हेतु कार्यशील पूंजी के रूप में सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।	प्रदेश की रेशम सहकारी समितियों को रेशमोत्पादन कार्य में आत्मनिर्भर बनाना।	2022–23

3	चॉकी भवनों का निर्माण व रिनोवेशन	रेशम कीटाण्डों के चॉकी कीटपालन हेतु विभागीय फार्मों पर नये भवनों का निर्माण तथा पुराने भवनों का जीर्णोद्वार, फैन्सिंग आदि की मरम्मत।	36.50	—	10	10	वर्ष में 10 चॉकी भवनों व फैन्सिंग का अनुरक्षण व पुर्ननिर्माण का कार्य प्रस्तावित है।	राज्य में रेषमोद्योग की आधारभूत अवस्थापनाओं के विकास से आगामी वर्षों हेतु सुदृढ धरातल प्राप्त होगा।	2022—23
4	जैविक रेशम विकास योजना	कीटपालन कार्य के उपरान्त रेशम कीट अवशेषों, अप्रयुक्त पत्तियों तथा एफ0 वाई0एम0 के द्वारा जैविक खाद तैयार करना तथा रेषम फसलों का जैविक कृषिकरण।	36.00	—	जैविक खाद 25 टन	जैविक खाद 25 टन	विभागीय उद्यानों में जैविक अवशिष्ठ के माध्यम से 28 टन जैविक खाद का उत्पादन, तथा उपयोग प्रस्तावित है।	रेशम कृषकों को रासायनिक खाद पर निर्भरता को कम करते हुए जैविक कृषिकरण को उत्प्रेरित करना	2022—23
5	शहतूत वृक्षारोपण योजना	योजना का उद्देश्य विभागीय चॉकी कीटपालन केन्द्रों के साथ—साथ कृषकों की निजी भूमि पर उन्नतशील शहतूत प्रजातियों का फुटकर वृक्षारोपण करते हुये रेशम कीटपालन हेतु प्रचुर मात्रा में भोज्य पौध तैयार करना है।	29.00	—	वृक्षारोपण—1. 5 लाख	वृक्षारोपण—1.5 लाख	कुल 1.5 लाख पौध रोपण जिसमें से विभागीय उद्यानों में 0. 75 लाख उन्नतशील एवं उच्च उत्पादक शहतूत पौधों का प्रतिस्थापन एवं फुटकर वृक्षारोपण के रूप में निजी क्षेत्र में 0.75 लाख पौधों का रोपण किया जाएगा।	उच्चगुणवत्ता युक्त शहतूती पौधों का रोपण करते हुए रेशम उत्पादन हेतु पौध सम्पदा में वृद्धि करना।	2022—23

6	रेशम वस्त्र विकास योजना	प्रदेश में रेशम वस्त्रों के उत्पादन हेतु नये बुनाई करघों की स्थापना, पुराने करघों का उच्चीकरण, कच्चे माल की उपलब्धता व बुनकरों का प्रशिक्षण।	28.00	–	वस्त्रोत्पादन–25 हजार मी0	वस्त्रोत्पादन–25 हजार मी0	प्रदेश में 40 बुनकरों के माध्यम से 45 हजार मी0 रेशम वस्त्रो का उत्पादन का कार्य किया जाएगा।	राज्य में रेशम वस्त्र बुनाई गतिविधि को बल मिलेगा जिससे प्रदेश में उत्पादित रेशम धागे की स्थानीय खपत व रोजगार में वृद्धि होगी।	2022–23
7	रेशम प्रशिक्षण योजना	प्रदेश में कुशल मानव संसाधनों का विकास करना तथा लाभार्थियां को रेशम उद्योग की नवीनतम तकनीकियों की जानकारी उपलब्ध कराना।	16.00	–	प्रशिक्षणार्थी–600	प्रशिक्षणार्थी – 600	प्रदेश के 600 रेशम उद्यमियों, कृषकों, कीटपालकों, सह समितियों /स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों एवं महिलाओं को रेशम विकास सम्बन्धी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जायेगा।	प्रदेश में कुशल मानव संसाधनों का विकास करना जिससे आगामी वर्षों में रेशमोद्योग सम्बन्धी कार्यों को निरन्तर गति प्राप्त होगी।	2022–23

8	यू0सी0आर0एफ0 का सुदृढीकरण	रेशमोद्योग के कोसोत्तर विकास कार्यक्रमों जैसे–कोया बाजारों का संचालन, कोया मूल्य भुगतान, रेशम, रीलिंग, टिवस्टिंग, डाईंग, डिजायनिंग, विविंग तथा मार्केटिंग आदि गतिविधियों के संचालन हेतु सहकारी शीर्ष संस्था यू.सी.आर.एफ. को सुदृढ बनाना।	31.20	–	कोया उत्पादन– 186.45 मै0 टन	कोया उत्पादन – 310.6 मै 0टन	रेशम की समस्त कोसोत्तर गतिविधियों के विकास तथा रेशम रीलिंग, डाईंग, डिजायनिंग, वीविंग तथा मार्केटिंग आदि कार्यों हेतु फेडरेशन को सहायता उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है जिसके अन्तर्गत 315 मै0 टन कोया निस्तारण का लक्ष्य है।	रेशमोद्योग के समस्त ऊर्ध्वगाामी कार्यों के समन्वय में प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा तथा प्रभावी विपणन व्यवस्था के कारण उत्पादन क्षेत्र को भी तत्काल लाभ मिलेगा।	2022–23
9	केन्द्रपोषित सिल्क समग्र योजना (राज्यांश)	भारत सरकार द्वारा प्रदेश में पुनर्गठित ै योजना का संचालन प्रारम्भ किया गया है जिसके अन्तर्गत एस0सी0एस0पी0 व टी0एस0पी0 में नये रेशम क्लस्टर्स विकसित कर लाभार्थियों को निजी कीटपालन भवन निर्माण व टूलकिट्स आपूर्ति हेतु सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।	28.04	–	वृक्षारोपण–300 एकड कीटपालन उपकरण –300 कीटपालन कक्ष–300	वृक्षारोपण–200 एकड कीटपालन उपकरण – 200 कीटपालन कक्ष–200	सिल्क समग्र योजना के अन्तर्गत सामान्य तथा अनु0जाति तथा ज0जाति क्षेत्रों में नये क्लस्टर्स विकसित करने हेतु भारत सरकार द्वारा सहायता उपलबध कराई जा रही है जिसके सापेक्ष राज्यांश धनराशि की व्यवस्था हेतु योजना संचालित है. योजनान्तर्गत 300 किसानों को लाभान्वित किया जायेगा।	अ0जा0 तथा ज0जाति बाहुल्य क्षेत्रों में लाभार्थियों को रेशम उद्योग के विकास हेतु पर्याप्त अवस्थापना सुविधाओं का विकास, वन्या एवं शहतूती उत्पादकता में वृद्धि, रोजगार के अवसरों का सृजन एवं पलायन रोकने में सहायक।	2022–23

10	रेशम कीटाण्ड आपूर्ति हेतु सहायता	योजना का उद्देश्य प्रदेश के रेशम कीटपालकों को कीटाण्ड मूल्य भुगतान में सहायता उपलब्ध कराना है ताकि निर्बलवर्गीय कृषक अल्प मूल्य पर रेशम कीटाण्ड प्राप्त कर कीटपालन प्रारम्भ कर सके।	42.00	—	7.22 लाख औंस	6.9 लाख औंस	राज्य के कीटपालकों को रेशम कीटाण्ड आपूर्ति में प्रोत्साहन सहायता उपलब्ध कराते हुए मात्र रू0 1.0 प्रति डी0एफ0एल की दर से कीटाण्ड मूल्य लिया जाता है. शेष कीटाण्ड मूल्य योजना में वहन किया जाता है। वर्ष 2022–23 में 7.0 लाख डी0एफ0एल्स रेशम कीटाण्ड मूल्य का भुगतान किया जाएगा।	गरीबी की रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले सभी कीटपालकों को कम मूल्य पर कीटाण्ड उपलब्ध कराना परिणामस्वरूप रेशम कीटपालक संख्या व कोया उत्पादन में पर्याप्त वृद्वि होगी।	2022–23
11	रेशम कोया उत्पादकों को रेशम फसलों हेतु प्रोत्साहन सहायता	योजना का उद्देश्य मानसून फसल में तुलनात्मक रूप से कम कोया उत्पादन के कारण कीटपालकों को हुई आर्थिक क्षति की प्रतिपूर्ति करना है।	20.00	—	100 मै0 टन	100 मै0 टन	रेशम फसलों में कम कोया उत्पादन की प्रतिपूर्ति के रूप में कीटपालकों को रू0 20/–प्रति कि0ग्रा0 प्रोत्साहन सहायता उपलब्ध कराने हेतु वर्ष 2021–22 में 100 मै0 टन कच्चे रेशम कोये पर सहायता उपलब्ध कराने का लक्ष्य है।	रेशम फसलों में कम उत्पादकता की प्रतिपूर्ति करते हुए रेशम कीटपालकों की संख्या व कोया उत्पादन में पर्याप्त वृद्वि होगी।	2022–23

12	वन्या रेशम विकास योजना	प्रदेश में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध प्रचुर वन सम्पदा का दोहन कर गैर शहतूती रेशम कीटपालन कार्य से रोजगार के अवसरों को जुटाना है तथा विभागीय केन्द्रों पर भी गैर शहतूती पौधालयों की स्थापना, भोज्य पौधों का उत्पादन तथा क्षेत्र में रोपण करना है।	25.00	—	वृक्षारोपण—55000 कोया उत्पादन— 2.12 लाख	वृक्षारोपण— 68000 कोया उत्पादन — 2.34 लाख	योजना के अन्तर्गत 68000 वन्या पौध (मनीपुरी बांज, अर्जुन, आसन एवं अरण्डी) रोपण करना तथा 5.0 लाख संख्या में वन्या प्रजाति के रेशम कोया उत्पादन करना।	राज्य में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध प्रचुर वन सम्पदा का दोहन करते हुए उद्योगशून्य क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में पर्याप्त वृद्धि होगी।	2022—23
13	रेशम बीजागार का संचालन	योजना का उद्देश्य बीज संगठन को सुदृढीकृत/पुनर्जीवित करते हुए रेशम कीटाण्डों का उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है।	34.00	—	0.62 लाख डी0एफ0 एल्स	1.5 लाख डी. एफ.एल्स	प्रदेश की महत्वपूर्ण बाईवोल्टीन बीजागार के सुदृढीकरण / पुनर्जीवीकरण के उपरान्त वर्ष 2022—23 में 1.5 लाख बाईवोल्टीन कीटाण्डों का उत्पादन का लक्ष्य है।	कीटाण्ड उत्पादन में आत्मनिर्भरता।	2022—23

14	ग्रोथ सेन्टर में रेशम रीलिंग इकाई का संचालन	योजना का उद्देश्य फेडरेशन द्वारा क्रय किये गये रेशम कोये की रीलिंग करते हुए मूल्य सम्बर्धन तथा लाभार्जन करना है।	46.00	—	धागा उत्पादन—2.5 मै0 टन	धागा उत्पादन —3.0 मै0 टन	फेडरेशन द्वारा ग्रोथ सेन्टर सेलाकुई में स्थापित मल्टी एण्ड रीलिंग मशीनों के द्वारा 3.5 मै0 टन उच्च श्रेणी के रेशम धागा उत्पादन का लक्ष्य है।	सहकारी क्षेत्र में धागाकरण का विकास।	2022—23
15	कोया बाजारों का उच्चीकरण	योजना का उददेश्य प्रदेश में कीटपालकों द्वारा उत्पादित किये जा रहे रेशम कोये का त्वरित निस्तारण तथा कोया उत्पादकों को उनके उत्पाद की गुणवत्ता के आधार पर मूल्य भुगतान व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु कोया बाजारों का उच्चीकरण करना है।	35.50	—	4 कोया बाजारों का उच्चीकरण	4 कोया बाजारों का उच्चीकरण	वर्ष में चार कोया बाजारों की जीर्ण—शीर्ण अवस्थापना सुविधाओं (भवनों, विद्युत वायरिंग, शेड निर्माण) का अनुरक्षण एवं पुर्ननिर्माण किया जाना प्रस्तावित।	कोया बाजार में आधारभूत अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु आगामी वर्षों में कोया विपणन हेतु सुदृढता प्राप्त होगी।	2022—23
16	रेशम उत्पादन एवं प्रचार—प्रसार (जिला सेक्टर)	विभाग द्वारा कोया उत्पादन को बडावा देना एवं रोजगार सृजन	200.00		कोया उत्पादन 186.45 मै0 टन, लाभार्थी— 6000	कोया उत्पादन 310 मै0 टन, लाभार्थी— 6619	कोया उत्पादन 315 मै0 टन, लाभार्थी— 10000		2022—23
	योगः—		**2080.11**	—					

भेषज विकास इकाई

योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		01.04.2021 की वास्तविक स्थिति	31.03.2022 की वास्तविक स्थिति	परिकल्पित (Projected) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित (Projected) आउटकम वर्ष 2022–23	आउटकम हेतु सम्भावित समय सीमा
		राजस्व	पूँजीगत					
अ) 0309– सहकारी जड़ी बूटी योजना								
1.वेतन आदि मदो में व्ययभार	विभागीय कार्मिको को वेतन आदि तथा कार्यालयों के संचालन के लिए व्यवस्था व्यय का भुगतान	512.00	–	–	–	विभाग अन्तर्गत कार्यरत कार्मिको को वेतन आदि की व्यवस्था, विगत वर्ष की अपेक्षा विकास कार्यो से सम्बन्धित विभागीय योजनाओं के कियान्वयन में 10% से 20% तक की बृद्धि प्रस्तावित।	विभाग अन्तर्गत कार्यरत कुल 74 कार्मिको को वेतन आदि का भुगतान किया जायेगा जिससे कार्मिको के द्वारा विकास कार्यो के अन्तर्गत जड़ी–बूटी प्रजातियों का कृषिकरण, प्रशिक्षण व तत्सम्बन्धी प्रचार–प्रसार के कार्यो में विगत वर्ष की अपेक्षा 10% से 20% बृद्धि प्रस्तावित।	2022–23

16– मानव संसाधन विकास की योजना	जड़ी–बूटी प्रजातियों के कृषिकरण व बन क्षेत्रों में प्राकृतिक रूप से उत्पन्न होने वाले जड़ी–बूटियों के वैज्ञानिक विधि से विदोहन किये जाने सम्बन्धी प्रशिक्षण प्रदान करना, कृषि तकनीक का प्रचार–प्रसार, कर्मचारियों की कौशल अभिवृद्धि, कृषक को एक ही डतरी के नीचे सभी सुविधाए प्रदान किये जाने हेतु भेषज भवनो का निर्माण व परम्परागत फसलों की कृषि से विरत जड़ी–बूटी प्रजातियों का कृषिकरण व जड़ी–बूटी प्रजातियों की लघु कृषि प्रदर्शन इकाइयों की स्थापना का कार्य।	8.00	–	जड़ी–बूटी प्रजातियों के कृषिकरण विस्तार के लिए निम्नानुसार कार्य सम्पादन का प्रस्तावित लक्ष्य :– 1.कृषक प्रशिक्षण शिविर– 36 2. लाभार्थी संख्या– 1850 3.कौशल अभिवृद्धि प्रशिक्षण– 02 4.कार्मिक संख्या– 30 5. कार्यशाला– 02 6.जड़ी–बूटी कृषिकरण– 175हैं0 7.लाभार्थी संख्या– 2500 8.जड़ी बूटी उत्पादन– 1000 टन 9.जड़ी बूटी व्यवसाय–2000 टन 10..राजस्व जमा– 2.00 करोड़	जड़ी–बूटी प्रजातियों के कृषिकरण विस्तार के लिए निम्नानुसार कार्य सम्पादन का प्रस्तावित लक्ष्य :– 1.कृषक प्रशिक्षणशिविर– 24 2. लाभार्थी संख्या– 1350 3.कौशल अभिवृद्धि प्रशिक्षण– 4.कार्मिक संख्या– – 5. कार्यशाला– – 6.जड़ी–बूटी कृषिकरण–187.7 हैं0 7.लाभार्थी संख्या– 3179 8.जड़ी बूटी उत्पादन– 270 टन 9.जड़ी बूटी व्यवसाय– 652 टन 10..राजस्व जमा– 1.05 करोड़	जड़ी–बूटी प्रजातियों के कृषिकरण विस्तार के लिए निम्नानुसार कार्य सम्पादन का प्रस्तावित लक्ष्य :– 1.कृषक प्रशिक्षण शिविर– 33 2. लाभार्थी संख्या– 1750 3.कौशल अभिवृद्धि प्रशिक्षण– 02 4.कार्मिक संख्या– 30 5. कार्यशाला– 02 6.जड़ी–बूटी कृषिकरण–200 हैं0 7.लाभार्थी संख्या– 2740 8.जड़ी बूटी उत्पादन– 1000 टन 9.जड़ी बूटी व्यवसाय–2000 टन 10..राजस्व जमा– 2.00 करोड	जड़ी–बूटी प्रजातियों के कृषिकरण विस्तार के लिए निम्नानुसार कार्य सम्पादन का प्रस्तावित लक्ष्य :– 1.कृषक प्रशिक्षणशिविर– 33 2. लाभार्थी संख्या– 1750 3.कौशल अभिवृद्धि प्रशिक्षण– 02 4.कार्मिक संख्या– 30 5. कार्यशाला– 02 6.जड़ी–बूटी कृषिकरण– 200 हैं0 7.लाभार्थी संख्या– 2740 8.जड़ी बूटी उत्पादन– 1000 टन 9.जड़ी बूटी व्यवसाय– 2000 टन 10..राजस्व जमा– 2.00 करोड़	2022–23
18– भेषज कृषि विकास की योजना		50.00	–					
32–राजकीय एवं भेषज संघों की नर्सरियों के विकास व संवर्धन की योजना	जड़ी–बूटी प्रजातियों के कृषिकरण के लिए नर्सरी विकास एवं रोपण सामग्री का उत्पादन,,	10.00	–	01	जड़ी–बूटी प्रजातियों के कृषिकरण के लिए नर्सरी विकास एवं रोपण सामग्री का उत्पादन,,	3 वर्ष	जड़ी–बूटी प्रजातियों के कृषिकरण के लिए नर्सरी विकास एवं रोपण सामग्री के रूप में विभिन्न प्रजातियों की 5,00,000 पौंध का उत्पादन का लक्ष्य,	3 वर्ष
कुल योग भेषज		**580.00**	**–**					

जड़ी–बूटी शोध एवं विकास केन्द्र

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		1.4.2021 की स्थिति (भौतिक)	31.3.2022 की संभावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित आउटकम वर्ष 2022–23	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	जड़ी–बूटी शोध संस्थान को अनुदान	जडी–बूटियों की खेती को बढावा एवं रोजगार सृजन, कृषको की आय वृद्धि करना ।	825.02	–	चयनित कलस्टरों में 340है0, में औषधीय पादपों का कृषिकरण, लाभान्वित कृषक– 4100, 23.27 लाख औषधीय पौध रोपण सामग्री व 127 किग्रा0 बीज का उत्पादन, 9.09 लाख पौध वितरण, 2124 कृषकों का प्रशिक्षण, रोजगार सृजन–13662 साथ ही 1159 कृषकों का पंजीकरण किया गया।	चयनित कलस्टरों में 102है0, में औषधीय पादपों का कृषिकरण, लाभान्वित कृषक– 2914, 25.90 लाख औषधीय पौध रोपण सामग्री व 44.55 किग्रा0 बीज का उत्पादन, 6.68 लाख पौध वितरण, 1533 कृषकों का प्रशिक्षण, रोजगार सृजन– 10319 साथ ही 1410 कृषकों का पंजीकरण किया गया।	चयनित कलस्टरों में 900है0, में औषधीय पादपों का कृषिकरण, लाभान्वित कृषक– 8900, 25.20 लाख औषधीय पौध रोपण सामग्री व 145 किग्रा0 बीज का उत्पादन, 25.20 लाख पौध वितरण, 2000 कृषकों का प्रशिक्षण, रोजगार सृजन– 21500 साथ ही 1000 कृषकों का पंजीकरण किया गया।	चयनित कलस्टरों में 900है0, में औषधीय पादपों का कृषिकरण, लाभान्वित कृषक– 8900, 25.20 लाख औषधीय पौध रोपण सामग्री व 145 किग्रा0 बीज का उत्पादन, 25.20 लाख पौध वितरण, 2000 कृषकों का प्रशिक्षण, रोजगार सृजन– 21500 साथ ही 1000 कृषकों का पंजीकरण किया गया।	2022–23

सगन्ध पौधा केन्द्र सेलाकुई, देहरादून

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		1.4.2021 की स्थिति (भौतिक)	31.3.2022 की संभावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित आउटकम वर्ष 2022–23	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1.	सगन्ध पौधा केन्द्र को अनुदान एवं सगन्ध पौधों के क्लस्टर विकास (09 से स्थानान्तरित)	सगन्ध पादपों की खेती को बढावा एवं रोजगार सृजन, कृषको की आय वृद्धि करना ।	2650.00	–	कृषिकरण– 1225 है0, लाभान्वित कृषक– 4814, कृषकों का प्रशिक्षण– 3329, 33.00 लाख पौध व मै0टन तेल तथा 808 टन एरोमेटिक हर्ब का आसवन,एवं 63666 मै0 टन, 451 नमूनों का गुणवत्ता परीक्षण किया गया तथा रोजगार सृजन–6125	कृषिकरण–1104 है0, कृषकों का प्रशिक्षण–4277, 32.00 लाख पौध व 1389.00 मै0टन तेल तथा 73922 टन एरोमेटिक हर्ब का आसवन, 638 नमूनों का गुणवत्ता परीक्षण एवं रोजगार सृजन–5520	कृषिकरण–1200 है0, लाभान्वित कषक– 5000, कृषकों का प्रशिक्षण–3500, 35.00 लाख पौध व 750 मै0टन तेल तथा 70000 टन एरोमेटिक हर्ब का आसवन, 550 नमूनों का गुणवत्ता परीक्षण एवं रोजगार सृजन–6000	कृषिकरण–1200 है0, लाभान्वित कषक– 5000, कृषकों का प्रशिक्षण–3500, 35.00 लाख पौध व 750 मै0टन तेल तथा 70000 टन एरोमेटिक हर्ब का आसवन, 550 नमूनों का गुणवत्ता परीक्षण एवं रोजगार सृजन–6000 **सगन्ध उत्पादों का टर्न ओवर– रू0 85 करोड़।**	2022–23
2.	जड़ी–बूटी शोध संस्थान को अनुदान/औशधीय एवं सगन्ध पौधों के क्लस्टर विकास		70.00		कलस्टर विकास – 20	कलस्टर विकास – 20	कलस्टर विकास – 20	कलस्टर विकास – 20	2022–23
3.	राष्ट्रीय औषधीय पादप मिशन (100 प्रतिशत केन्द्र सहायतित)		0.01						
योग हर्बल सैक्टर (एच.आर.डी.आई. + कैप)			**3545.03**						

चाय विकास बोर्ड

क्र.सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/बजट (रू0 लाख में)		1.4.2021 की स्थिति (भौतिक)	31.3.2022 की संभावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित आउटकम वर्ष 2022–23	समय सीमा
			राजस्व	पूँजीगत					
1	राज्य में चाय विकास योजना	राज्य में चाय उत्पादन कर रोजगार सृजन को बढावा + एम0आई0एफ0 योजना का क्रियान्वयन	3131.61	–	बागान रखरखाव– 1391 है0, नया पौध रोपण 39.68 है0, नर्सरी स्थापना– 19.11 लाख पौध व 0.82 लाख किग्रा0 प्रसंस्कृत चाय, 0.92 लाख किलोग्राम प्रसंसकृत चाय की विक्री एवं 3.85 लाख किलोग्राम हरी पत्तियों का उत्पादन किया गया। तथा कर्मियों का वेतन भत्ते आदि।	बागान रखरखाव– 1423 है0, नया पौध रोपण 30.68 है0, नर्सरी रखरखाव– 37.96 लाख पौध व 0.90 लाख किग्रा0 प्रसंस्कृत चाय, 0.83 लाख किलोग्राम प्रसंसकृत चाय की विक्री एवं 4.09 लाख किलोग्राम हरी पत्तियों का उत्पादन किया गया। तथा कर्मियों का वेतन भत्ते आदि।	बागान रखरखाव– 1450 है0, नया पौध रोपण 203 है0, नर्सरी रखरखाव– 119 लाख पौध व 1.09 लाख किग्रा0 प्रसंस्कृत चाय, 1.09 लाख किलोग्राम प्रसंसकृत चाय की विक्री एवं 4.85 लाख किलोग्राम हरी पत्तियों का उत्पादन किया जाएगा। तथा कर्मियों का वेतन भत्ते आदि।	बागान रखरखाव– 1450 है0, नया पौध रोपण 203 है0, नर्सरी रखरखाव– 119 लाख पौध व 1.09 लाख किग्रा0 प्रसंस्कृत चाय, 1.09 लाख किलोग्राम प्रसंसकृत चाय की विक्री एवं 4.85 लाख किलोग्राम हरी पत्तियों का उत्पादन किया जाएगा। तथा कर्मियों का वेतन भत्ते आदि।	2022–23
		योग चाय विकास	**3131.61**						
		महायोग (उद्यान + रेशम + हर्बल सैक्टर + चाय + भेषज) केन्द्रपोषित + राज्य सैक्टर + वाह्य सहायतित	**59367.76**	**3610.00**					

आउटकम बजट 2022–23

सतत् विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूप

विभाग का नामः– उद्यान विभाग, उत्तराखण्ड

क्र0 सं0	SDG संकेतक	01.04.2021 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31.03.2022 की सम्भावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति) 2022–23	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2022–23	परिकल्पित आउटकम (भौतिक स्थिति) 2022–23
01	02	03	04	05	06	07
1	उद्यान उत्पादों हेतु भण्डारण क्षमता (कोल्ड स्टोरेज, सी.ए. स्टोरज, कूल चैन आदि)	2.00 लाख मै0 टन	2.25 लाख मै0 टन	2.50 लाख मै0टन	2.50 लाख मै0टन	कृषकों की फसलों का उचित मूल्य (15 से 20 प्रतिशत तक अधिक) उपलब्ध होना।
2	फलों की उत्पादकता	3.58 मै0टन/ है0	3.78 मै0 टन/है0	3.85 मै0टन/है0	3.85 मै0टन/है0	अधिक उत्पादन कर, कृषकों की आय में वृद्धि करना।
3	सब्जियों की उत्पादकता	9.00 मै0टन/है0	9.25 मै0 टन/है0	10.00 मै0टन/है0	10.00 मै0टन/है0	
4	आलू की उत्पादकता	13.67 मै0टन/ है0	13.82 मै0टन/है0	14.00 मै0टन/है0	14.00 मै0टन/है0	
5	मसालों की उत्पादकता	6.72 मै0 टन/ है0	6.90 मै0 टन/है0	7.00 मै0टन/है0	7.00 मै0टन/है0	
6	फूलों की खेती	1609 है0	1750 है0	1900 है0	1900 है0	
7	संरक्षित खेती कि अन्तर्गत क्षेत्रफल	27.00 लाख वर्गमी.	28.00 लाख वर्गमीटर	30.00 लाख वर्गमीटर	30.00 लाख वर्गमीटर	
8	खाद्य प्रसंस्करण क्षमता में वृद्धि करना	12 प्रतिशत	13 प्रतिशत	14 प्रतिशत	14 प्रतिशत	औद्यानिक उत्पादों की प्रसंस्करण क्षमता में बढ़ोत्तरी कर, कृषकों के उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्रदान कराना।
9	कच्चे कोये का उत्पादन (कु0 प्रति है0)	7.25	11.17	10000 किसानों द्वारा 7.0 लाख डी0एफ0एल्स का कीटपालन कार्य कर 320 मी0टन कच्चा कोया उत्पादित किया जायेगा।	ग्रामीण एवं उद्योग शून्य क्षेत्रों में सहकारिता नर्सरी, वृक्षारोपण, कीटपालन एवं उद्यानों पर कर्षण कार्यों के माध्यम से रोजगार के अवसरों में वृद्धि व किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार।	कच्चे कोये का उत्पादन (कु0 प्रति है0)
10	जड़ी–बूटी का टर्न ओवर	रू0 9.00 करोड़	रू0 9.00 करोड़	रू0 11.00 करोड़	कृषकों की आय में वृद्वि करना।	जड़ी–बूटी का टर्न ओवर
11	सगन्ध पादपों का टर्न ओवर	रू0 80.00 करोड़	रू0 85.00 करोड़	रू0 85.00 करोड़	कृषकों की आय में वृद्वि करना।	सगन्ध पादपों का टर्न ओवर

****